Wednesday Times
National News paper
07:36

Admission process started in engineering college, facility of placement cell

MASOOD TAIMURI

Etawah. The only Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar College of Agricultural Engineering and Technology in the district is facing shortage of faculty and staff. Since its inception, the shortage of staff and faculty in the college has shaken the number of students. However, this time after the changes in the admission process, the college is expected to fill all the 149 seats of self finance group with regular agriculture engineering. At present, 22 out of 32 faculty posts are vacant here. Dean Dr. NK Sharma said on Monday that in this Agricultural Engineering College, operated as a faculty of Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, admission of students of B.Tech Agriculture Engineering and Dairy Engineering, BFSC and M.Tech Agriculture and Mechanical Engineering is done through UP KTET 2023 and students of B.Tech Electronics Communication, Computer Science and Mechanical Engineering under self-financed scheme through AKTU JEE Mains. . UP KTET 2023 admission process has started on July 19 and through AKTU on July 24. Complete information about the admission process can be obtained from www.upcatet.org and AKTU's website https://uptac.admissions.nic.in. He informed that keeping in view the student numbers, placement has also been started for the final year students. This year a total of 22 final year students have been selected by two different companies. Deputy Registrar of the college PKS Bhadauria and Manish Sahay were present on this occasion.

Years old expectations from the government are waiting to be fulfilled

Etawah. Agricultural Engineering College, Dairy and Fishery College are waiting for faculty as per the course running here for years. Year after year, despite assurances received from the university and the government, the engineering college is waiting for faculty since 1994, while the dairy and fishery colleges built after that also have zero staff, so only 10 professors and engineers posted in the Agricultural Engineer College have been appointed for studies there as well. Dean of Engineering College NK Sharma said that apart from the courses conducted here, as per the instructions of the Internal Quality Assurance Cell, provision has been made to organize regular remedial classes and Human Values & Professional Ethics courses for the solution of weak students and to become good citizens.

07:37

अमर उजाला

यूपी कैटेट और एकेटीयू से काउंसलिंग करा कृषि इंजीनियरिंग में लें दाखिला

जानकारी के अभाव और स्टाफ की कमी से कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में कम हो रही छात्र संख्या

संवाद न्यूज एजेंसी

इटावा। यूपी कैटेट और एकेटीयू से काउंसलिंग कराकर छात्र शहर के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला ले सकते हैं। दोनों के लिए काउंसलिंग शुरू हो गई है। पिछले कुछ सालों में जागरूकता के अभाव और स्टाफ की कमी के चलते छात्रों के दाखिला लेने में कमी आई है। इसे देखते हुए प्रबंधन की ओर से ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलाने और स्टाफ की कमी दूर करने की कवायद शुरू कर दी गई है।

सोमवार को महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1994 में की गई थी। इस महाविद्यालय को खोलने का उद्देश्य था की छात्रों के माध्यम से देश-प्रदेश के किसानों को कृषि क्षेत्र में जागरूकता फैलाना था करना।

इसी उद्देश्य के साथ सर्व प्रथम बीटेक कृषि इंजी का स्नातक पाठ्यक्रम वर्ष 1994 से शुरू किया

पत्रकारों से वार्ता करते डीन डॉ. एनके शर्मा। संवाद

प्रेस वार्ता करके डीएन दे जानकारी, जल्द भरे जाएंगे सभी रिक्त पद

गया था। साथ-साथ तकनीकी के क्षेत्र में योगदान के लिए स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम योजना के तहत वर्ष 2022-03 से बीटेक इलेक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन इंजी. एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजी. तथा वर्ष 2003-04 से बीटेक मैकेनिकल इंजी की सुविधा शुरू की गई।

इन सभी पाठ्यक्रमों को संचालन के लिए आईसीएआर नई दिल्ली एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा से अनुमोदन प्राप्त है। स्नातक के साथ-परास्नातक पाठ्यक्रम भी कृषि इंजी. एवं मैकेनिकल इंजी. वर्ष 2017 से संचालित है। इन पाठ्क्रमों में दाखिला लेने के लिए बीटेक कृषि इंजी. एवं डेयरी इंजी, बीएफएससी तथा एमटेक कृषि इंजी./मैकेनिकल इंजी के छात्रों का प्रवेश यूपी कैटेट तथा स्ववित्त पोषित बीटेक इलेक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन इंजी., कंप्यूटर साइंस एंड इंजी. एवं मैकेनिकल इंजी. के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेईई मेंस के माध्यम से किया जाता है।

प्रवेश प्रक्रिया की पूरी जानकारी www.upcatet.org तथा एकेटीयू की वेबसाइट https://uptac.admissions.nic.in पर प्राप्त् किया जा सकता है।

मान्यता न होने पर स्कूल बंद करने का आदेश

इटावा। बेसिक शिक्षा विभाग ने एक शिकायत पर यदुवंशनगर में संचालित हैप्पी बैली पब्लिक स्कूल को नोटिस जारी किया है। इसमें प्रबंधन को हिदायत दी गई है कि आप अमान्य विद्यालय का संचालन कर रहे हैं। इसे तत्काल बंद कर दें। अन्यथा स्थिति में आपके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। (संवाद)

32 पदों में से 22 पद रिक्त

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में वर्तामान में सृजित 32 प्रोफेसरों के पदों में से 22 पद रिक्त हैं। डीन डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि इस संबंध में कुलपति को अवगत कराया है। उन्होंने जल्द ही सभी पदों पर भर्ती कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि छात्रों की पढ़ाई को और बेहतर बनाने के लिए कमजोर बच्चों को चिह्नित कराया जा रहा है। इन सभी बच्चों को अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कराई जाएंगी। ताकि वह भी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। वहीं अब निजी विद्यालयों की तरह कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन कराने की शुरुआत कराई गई है। पिछले दिनों बैंगलौर, चेन्नई और पंजाब की तीन कंपनियों ने 22 बच्चों का चयन किया है। डीन ने बताया कि बच्चों के संवाद के हुनर को और मजबूत करने के लिए एक मैनेजमेंट के अतिरिक्त प्रोफेसर बुलाए गए हैं। वह उन्हें सभी छात्रों की इसकी निमित कक्षाएं लेंगे। ताकि छात्र-छात्रा कैंपस सिलेक्शन में कंपनियों के प्रतिनिधियों के सामने बेहतर प्रदर्शन कर सकें। (संवाद)

सूर्योदय : 5:25
सूर्यास्त : 6:59
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 29.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-17 अंक-49 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, मंगलवार, 25 जुलाई 2023
06 मोहर्रम, 1445 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

इंजीनियरिंग कॉलेज में शुरू हुयीं प्रवेश प्रक्रिया

- प्लेसमेंट सेल की सुविधा
- यूपी केटेट व एकेटीयू जेईई मैंस के जरिए शुरु हुयीं काउंसलिंग

अवधनामा संवाददाता

इटावा। जिले का एक मात्र बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय फैकल्टी व स्टॉफ की कमी से जूझ रहा है। अपने स्थापना वर्ष से ही महाविद्यालय में स्टॉफ व फैकल्टी की कमी ने छात्र संख्या को भी हिला कर रख दिया है। हालांकि इस बार प्रवेश प्रक्रिया में हुए बदलाव के बाद महाविद्यालय को नियमित कृषि इंजीनियरिंग के साथ सेल्फ फाइनेंस ग्रुप की सभी 149 सीटों के भरने का अनुमान है। फिलहाल यहां 32 में से 22 फैकल्टी के पद खाली है। अधिष्ठता डॉ.एनके शर्मा ने सोमवार को बताया कि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के एक संकाय के रूप में संचालित इस कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय में बीटेक कृषि इंजीनियरिंग एवं डेयरी इंजीनियरिंग, बीएफएससी तथा एमटेक कृषि व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश यूपी केटेट 2023 तथा स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत बीटेक इलैक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर साइंस व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेईई मैंस के माध्यम से किया जाता है। यूपी केटेट 2023

प्रवेश प्रक्रिया 19 जुलाई व एकेटीयू के माध्यम से 24 जुलाई को प्रारम्भ हो गयी है। प्रवेश प्रक्रिया की पूरी जानकारी www.upcatet.org तथा एकेटीयू के वेबसाइट पर httpp://upptac.admissions.nic.in पर प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए प्लेसमेंट की भी शुरुआत की गई है इस वर्ष अंतिम वर्ष के कुल 22 छात्रों को दो अलग-अलग कंपनियों ने चयनित किया है। इस मौके पर महाविद्यालय के उप कुलसचिव पीकेएस भदौरिया व मनीष सहाय मौजूद रहे।

शासन से हैं सालों पुरानी उम्मीदें पूरी होने का इंतजार

इटावा। कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डेयरी व फिशरी महाविद्यालय को सालों से यहां चल रहे कोर्स के अनुसार फैकल्टी का इंतजार हैं। साल दर साल यूनिवर्सिटी व शासन से मिले आश्वासन के बावजूद इंजीनियरिंग कॉलेज को सन 1994 से ही फैकल्टी का इंतजार है जबकि उसके बाद बने डेयरी व फिशरी कॉलेजों में भी स्टाफ की संख्या शून्य हैं लिहाजा कृषि इंजीनियर कॉलेज में तैनात 10 प्रोफेसर व इंजीनियरों को ही वहां भी पढ़ाई के लिए नियुक्त किया गया है।

इंजीनियरिंग कॉलेज के अधिष्ठाता एनके शर्मा ने बताया कि यहां संचालित कोस के अलावा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निर्देशानुसार कमजोर छात्रों के समाधान के लिये रेमेडीअल क्लासेज एवं अच्छा नागरिक बनने के लिये ह्यूमन वैल्यूज × प्रोफेशनल एथिक्स कोर्सेज का नियमित आयोजन किये जाने का प्राविधान किया गया है।

इस तरह हैं कोर्स में सीटों की संख्या

बीटेक कृषि इंजीनियरिंग- 36
डेयरी इंजीनियरिंग- 40
बीएफएससी- 40
एमटेक कृषि/ मैकेनिकल -05
स्ववित्तपोषित-
बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग- 36
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग- 36
मैकेनिकल इंजीनियरिंग- 36

हिन्दुस्तान

संकट | जिले का एक मात्र बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्टॉफ भी पर्याप्त संख्या में नहीं है और इसका असर छात्र संख्या पर पड़ रहा

फैकल्टी की कमी से जूझ रहे इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

इटावा,संवाददाता। जिले का एक मात्र बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय फैकल्टी व स्टॉफ की कमी से जूझ रहा है। अपने स्थापना वर्ष से ही महाविद्यालय में स्टॉफ व फैकल्टी की कमी ने छात्र संख्या को भी हिला कर रख दिया है। हालांकि इस बार प्रवेश प्रक्रिया में हुए बदलाव के बाद महाविद्यालय को नियमित कृषि इंजीनियरिंग के साथ सेल्फ फाइनेंस ग्रुप की सभी 149 सीटों के भरने का अनुमान है। फिलहाल यहां 32 में से 22 फैकल्टी के पद खाली हैं। अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा ने सोमवार को बताया कि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के एक संकाय के रूप में संचालित इस कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय में बीटेक कृषि इंजीनियरिंग एवं डेयरी इंजीनियरिंग, बीएफएससी तथा एमटेक कृषि व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश यूपी केटेट 2023 तथा स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत बीटेक इलैक्ट्रानिक्स कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर साइंस व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेईई मैंस के माध्यम से किया जाता है। यूपी केटेट 2023 प्रवेश प्रक्रिया 19 जुलाई व एकेटीयू के माध्यम से 24 जुलाई को प्रारम्भ हो गयीं है। प्रवेश प्रक्रिया की पूरी जानकारी www.upcatet.org तथा एकेटीयू के वेवसाइट पर https://uptac. admissions.nic.in पर प्राप्त किया जा सकता है। छात्र संख्या को ध्यान में रखते हुए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए प्लेसमेंट की भी शुरुआत की गई है इस वर्ष अंतिम वर्ष के कुल 22 छात्रों को दो अलग-अलग कंपनियों ने चयनित किया हैं। महाविद्यालय के उप कुलसचिव पीकेएस भदौरिया और मनीष सहाय मौजूद रहे।

प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देतें डीन डॉ. एनके शर्मा ।

शासन से हैं सालों पुरानी उम्मीदें पूरी होने का इंतजार

इटावा। कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डेयरी व फिशरी महाविद्यालय को सालों से यहां चल रहे कोर्स के अनुसार फैकल्टी का इंतजार हैं। साल दर साल यूनिवर्सिटी व शासन से मिले आश्वासन के बावजूद इंजीनियरिंग कॉलेज को सन 1994 से ही फैकल्टी का इंतजार है।

कोर्स में सीटों की संख्या

- बीटेक कृषि इंजीनियरिंग- 36
- डेयरी इंजीनियरिंग- 40
- बीएफएससी- 40
- एमटेक कृषि/ मैकेनिकल -05
- बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग- 36
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग- 36
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग- 36

149 सीटें भरने का विवि अनुमान लगा रहा है

032 में से 22 फैकल्टी के लिए पद विवि में खाली पड़े हैं